मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 256, मुंबई, शुक्रवार, 25 नवंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
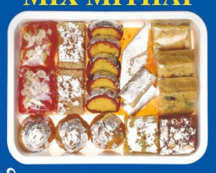
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

महाराष्ट्र में तीसरी से आठवीं क्लास के स्टूडेंट्स को देना होगा एग्जाम

लागू होंगे नए नियम

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में अब स्कूली छात्रों के लिए तीसरी से आठवीं तक के स्टूडेंट्स के लिए एग्जाम का केरल पैटर्न आयोजित किया जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने इस संबंध में जानकारी दी है। महाराष्ट्र में फिलहाल कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों को बिना एग्जाम दिए ही अगली कक्षा में भेज दिया जाता है। लेकिन इससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। जिसपर काफी लोगो का कहना है की स्टूडेंट्स में यह मानसिकता बना दी गई है कि फेल नहीं होंगे, पढ़ेंगे ही क्यों। पढ़ाई-लिखाई में ज्यादा रुचि नहीं रहने से एजुकेशन सिस्टम में रणनीतिक बदलाव होगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में एक ही दिन में 565 बिजली चोरों के खिलाफ कार्रवाई

कल्याण, वसई और वाशिम में छापेमारी अभियान

मुंबई। मुंबई में बिजली चोरी के कई मामले सामने आए हैं। इस बीच मंगलवार को महावितरण ने कल्याण, वाशी और वसई मंडलों में 1700 स्टाफ की 236 विशेष टीमों ने 13 हजार 798 बिजली मीटरों का निरीक्षण किया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महावितरण ने चेतावनी दी है दी हैं कि अनाधिकृत विद्युत इस्तेमाल के मामले में धारा 126 के तहत महावितरण द्वारा संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है

गहलोत ने पायलट को बताया बीजेपी का एजेंट

जयपुर। राजस्थान का सियासी ड्रामा हर बार नए सवाल छोड़ जाता है, गहलोत और पायलट की राजनितिक खटपट किसी से छिपी नहीं है 25 सितंबर 2022 को 90 विधायकों की बगावत ने दिल्ली आलाकमान को हिला कर रख दिया। कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे गहलोत कब रेस बाहर हो गए, इसकी भनक तक किसी को नहीं लगी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट को 'गद्दार' तक कह दिया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पठान वाडी व मालवणी में इलाज के नाम पर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं फर्जी डॉक्टर

स्वास्थ्य विभाग के नियमों को ताक पर रखकर जोन- 11 और 12, कुरार विलेज, दिंडोशी व मालवणी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पठान वाडी व मालवणी में चलाये जा रहे हैं क्लीनिक

स्वास्थ्य विभाग का भी नहीं है पठान वाडी व मालवणी के फर्जी डॉक्टरों में कोई खौफ, झापेमारी से पहले ही मिल जाती है जानकारी, इसी का फायदा उठाकर ये झोलाछाप डॉक्टर अपनी दुकान बंद कर मौके से हो जाते हैं गायब

मुंबई। जोन- 11 और 12, कुरार विलेज, दिंडोशी व मालवणी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पठान वाडी व मालवणी में गलियों से लेकर मुख्य बाजारो तक झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। आलम यह है कि हर एक गली में फर्जी तरीके से क्लीनिक संचालित हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. तानाजी सावंत से अपील है कि जोन- 11 और 12, कुरार विलेज, दिंडोशी व मालवणी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत पठान वाडी व मालवणी में पैसों के लालच में मरीज का उपचार कर उनके जीवन से खिलवाड़ कर रहे झोलाछाप फर्जी डॉक्टरों पर जल्द सख्त कार्रवाई की जाये, ताकी इन फर्जी डॉक्टरों की वजह से किसी गरीब की जान के साथ खिलवाड़ न हो

अगले अंक में पढ़िए पठान वाडी व मालवणी के किस-किस डॉक्टरों के पास लाइसेंस है और कौन-कौन डाक्टर अवैध तरीके से चला रहे हैं क्लीनिक

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पाकिस्तान में फौजी भ्रष्टाचार

पाकिस्तान की फौज को दुनिया की सबसे ज्यादा भ्रष्ट फौज माना जाता है। पाकिस्तान का हर महत्वाकांक्षी नौजवान फौज में भर्ती होना चाहता है, क्योंकि वहां मूंछों पर ताव देकर रहना और पैसा बनाना सबसे आसान होता है। पाकिस्तान के लोग फौजियों का जरूरत से ज्यादा सम्मान करते हैं या उनसे बहुत ज्यादा डरते हैं, कहा नहीं जा सकता। अब से लगभग 40 साल पहले जब मैं पहली बार पाकिस्तान गया तो रावलपिंडी में फौज के मुख्यालय के पास एक दुकान में किताबें खरीदने गया। मुझे देखते ही उस दुकान के मालिक और सारे कर्मचारी मुझे सेल्यूट मारने लगे, क्योंकि उन दिनों मैं सफारी सूट पहना करता था और मूंछें भी थोड़ी बड़ी रखता था। किताबें चुनने के बाद जब मैंने बिल मांगा तो मालिक बोला, सर आप कैसी बात कर रहे हैं? मैं किताबें आपकी कार में रखवा चुका हूँ। मैं पाकिस्तान के कई राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और बड़े उद्योगपतियों के घरों में भी गया हूं लेकिन जो ठाठ-बाठ मैंने सेनापतियों और फौजियों के घरों में देखा, वैसा भारत के किसी फौजी के घर में नहीं देखा। इस वक्त जनरल कमर बाजवा पाकिस्तान के सेनापति हैं। उनकी कुल निजी संपत्ति लगभग 500 करोड़ रु. की आंकी जा रही है। इसका पता तो उनके खिलाफ प्रचार कर रही एक वेबसाइट ने दिया है। यह भी एक कारण बताया जा रहा है, उनके स्वेच्छया सेवा-निवृत्त होने का! इसमें थोड़ी बहुत अतिशयोक्ति भी हो सकती है लेकिन इनकी तुलना जरा हमारे सेनापतियों से करें। वे बेचारे अपनी पेंशन पर किसी तरह गुजारा करते हैं। पाकिस्तान के कई फौजियों के जैसे आलीशान मकान मैंने लंदन, न्यूयार्क, फ्रेंकफर्ट और दुबई में देखे हैं, वैसा एक भी मकान किसी भारतीय सेनापति का मैंने आज तक विदेशों में कभी नहीं देखा। पाकिस्तान में फौज ने भारत का ऐसा भयंकर डर पैदा कर रखा है कि पाकिस्तानी जनता उसे अपना सर्वेसर्वा बनाने पर मजबूर हो जाती है। वह किसी भी बड़े फौजी को अपना तानाशाह स्वीकार कर लेती है। वह जुल्फिकार अली भुट्टो, बेनजीर और नवाज शरीफ जैसे लोकप्रिय नेताओं को जब चाहे कान पकड़कर बाहर कर देती है। इमरान खान जैसे नेता का जीना भी हराम हो जाता है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान की फौज ने सत्ता के साथ पत्ता (नोट) को भी अपने काबू में ले लिया है। वह राजपूती दिखाते-दिखाते बनियागीरी भी करने लगी है। उसने लगभग डेढ़ लाख करोड़ रु. का कारोबार चला रखा है। उसमें बैंकिंग, मेडिकल सर्विसेज, खाद, बीज, तेल, पेट्रोल पंप, बिजली घर, एयरपोर्ट सर्विसेज आदि दुनिया भर के धंधे खोल रखे हैं। इन धंधों के संगठनों को कई नाम दे रखे हैं लेकिन उन्हें फौजी ही चलाते हैं। बड़े फौजियों के अपने निजी धंधे हैं। पाकिस्तान में और विदेशों में भी! अरबों रु. के इन धंधों तथा स्विस बैंकों में चल रहे इनके गुप्त खातों पर लंदन और न्यूयार्क के अखबारों में अक्सर भांडाफोड़ होता रहता है लेकिन पाकिस्तान की जनता इनके खिलाफ खुलकर बगावत इसीलिए नहीं करती कि उसके दिल में यह बात बिठा दी गई है कि भारत तो पाकिस्तान को खत्म करना ही चाहता है लेकिन यह सर्वशक्तिमान फौज ही है, जिसकी कृपा से वह बचा हुआ है। पाकिस्तानियों के मन से जिस दिन भारत का भय निकल गया, उसी दिन से यह फौज अपनी पटरी पर चलने लगेगी। यदि फौज पटरी पर चलने लगे तो पाकिस्तान भी भारत की तरह एक लोकतांत्रिक देश बन सकता है।

यात्रा से दिग्विजय और जयराम का कद भी बढ़ा

यात्रा का वास्तविक लाभ तभी होगा जब संगठन मजबूत हो। पार्टी में ऐसे लोगों को काम करने का मौका मिले जो अपने लिए नहीं कांग्रेस के लिए काम करते हों। नेतृत्व की छवि निखराने की जिनमें योग्यता हो और इच्छा हो। कांग्रेस अपने लिए राजनीति करने वालों से भरी पड़ी है। मगर यात्रा में यह दोनों लोग दिग्विजय और जयराम ऐसे निकल कर सामने आए हैं जो साहस, योग्यता और वफादारी सभी गुण रखते हैं। और इनका इस्तेमाल पार्टी और नेतृत्व के लिए करते हैं।

बुधवार, 23 नवंबर कांग्रेस के लिए और खासतौर से मध्य प्रदेश के लिए बड़ा दिन है। भारत जोड़ो यात्रा तो यहां सुबह सुबह प्रवेश कर ही रही है। साथ ही राहुल जो हिमाचल नहीं गए थे गुजरात में चुनावी माहौल बनाकर आ रहे हैं। और पहली बार प्रियंका गांधी यहां से यात्रा में शामिल हो रही हैं। राहुल और प्रियंका का साथ चलना सामान्य घटना नहीं है। संयुक्त रुप से इन दोनों ने इससे पहले केवल एक ही यात्रा निकाली है। और वह बाजी जिताऊ साबित हुई थी। मध्य प्रदेश के कांग्रेसी भी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए इसे एक शुभ लक्षण मान सकते हैं। यात्रा वैसे भी मध्य प्रदेश कांग्रेस के लिए शुभ ही होती है। पांच साल पहले निकाली दिग्विजय सिंह की नर्मदा यात्रा ने भी 2018 में कांग्रेस की सरकार बनवा दी थी। मध्य प्रदेश से पहले राहुल और प्रियंका केवल एक बार ही साथ चले। दिन भर। वैसे हाथरस, लखीमपुर खीरी में दोनों साथ सड़क पर थे। मगर थोड़ी देर के लिए। लेकिन लंबी रैली पहली बार दोनों की संयुक्त जायस में हुई थी। जायस भक्ति काल के मशहूर कवि मलिक मोहम्मद जायसी की जन्मभूमि। अमेठी लोकसभा क्षेत्र का सबसे बड़ा शहर। यहां 2014 से ही राहुल के लिए माहौल खराब होना शुरू हो गया था। स्मृति ईरानी और कुमार विश्वास दोनों ही अपने पूरे रंग में थे। दस साल सरकार होने के बावजूद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के काम न होने के कारण वे नाराज थे।

जिन लोगों को अमेठी और रायबरेली लोकसभा क्षेत्र देखने की जिम्मेदारी थी वे कार्यकताओं और जनता के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते थे। मगर राहुल और सोनिया गांधी इन नाराजगियों पर ध्यान नहीं देते थे। वे अपने मैनेजरों पर पूरी तरह निर्भर थे। मगर प्रियंका को इस अंदर की हलचल की खबर थी। मुख्यतः वे ही दोनों लोकसभा क्षेत्र देखती थीं। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन या एकाध दिन पहले प्रियंका ने राहुल को बुलाकर जायस में एक रैली की। राहुल बाकी जगहों पर चुनाव प्रचार में थे। दोनों भाई बहन के जायस की सड़कों पर निकलने ने माहौल बदल दिया। राहुल कम अंतर से जीते मगर जीत गए। लेकिन उसके बाद भी संजय गांधी के समय से चली आ रही परंपरागत सीट अमेठी में क्या समस्या हो गई यह देखने के कोशिश नहीं की। हमने अमेठी रायबरेली बहुत कवर की है। उस समय से लिखना शुरू कर दिया था कि अब राहुल के लिए अमेठी हाथ में रखना मुश्किल हो जाएगा। मगर राहुल के पास तो शायद लिखा हुआ जाने से रोक दिया जाता है। उन्हें अधिकांशतः नहीं पता होता कि ग्राउंड पर क्या चल रहा है। क्या लिखा, कहा जा रहा है। राहुल को कई बार ग्रुप में पत्रकारों और दूसरे लोगों को मिलवाया जाता है। मगर उसमें आयोजक यह पूरी कोशिश करता है कि जो सबसे बड़ा बेवकूफ हो उसको बात करने का सबसे ज्यादा मौका मिले। और जो कुछ थोड़ा बहुत जानते हैं। पढ़ते लिखते हैं वे दूर रहें। राहुल को पप्पू बनाने में कांग्रेस ने बहुत मेहनत की है। भाजपा ने तो उसका केवल फायदा उठाया है। अभी एक टीवी डिबेट में एक संपादक बोल रहे थे कि राहुल की पप्पू इमेज कांग्रेस को कुछ नेताओं ने बनाई है। हम भी उस डिबेट में थे। हमें आश्चर्य हुआ कि इन संपादक ने तो कभी कांग्रेस कवर की नहीं है। कांग्रेस में आते जाते नहीं हैं। यह इतने कान्फिडेंस से यह बात कैसे कह रहे हैं। बाद में हमने पूछा तो बताया कि उनके रिपोर्टर ने बताया था कि कांग्रेस के एक बड़े पदाधिकारी ने उससे कहा था कि राहुल की प्रेस कान्फ्रेंस में तुम्हें मौका देंगे। तुम राहुल से पूछना कि उन्हें पप्पू क्यों कहते हैं? हमें याद आ गया करीब चार साल पहले महाराष्ट्र सदन में कांग्रेस के मीडिया डिपार्टमेंट ने राहुल की यह प्रेस कान्फ्रेंस आयोजित की थी। और जैसा 2014 के चुनाव से पहले अर्णब गोस्वामी को एक इंटरव्यू दिलाकर राहुल की छवि तहस-नहस कर दी गई थी वैसे ही 2019 के चुनाव से पहले इस प्रेस कान्फ्रेंस के जरिए राहुल की छवि खराब की गई थी।

इस बात को अब कांग्रेस के नेता भी बोलने लगे हैं कि राहुल की छवि भाजपा से पहले कांग्रेस के अंदर के लोगों ने खराब करना शुरू कर दी थी। लेकिन समय से बड़ी कोई चीज नहीं होती है। राहुल ने सड़क पर निकलकर अपनी एक अलग हाजिर जवाब और स्मार्ट छवि बना ली है। सौम्य, शांत, भले यह सब तो वे हमेशा से थे। मगर राजनीति में इन गुणों का शायद कोई ज्यादा महत्व नहीं है। यहां तो दांव पेंच, चाल चलने वालों को कुशल, दमदार भी माना जाता है। राहुल उस राह पर पूरे तो शायद ही कभी चल पाएं मगर इस आधी से ज्यादा हो गई यात्रा में उन्होंने कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा गढ़ी गई और भाजपा द्वारा आगे बढ़ाई गई उस नकली छवि से मुक्ति जरूर पा ली है। इस यात्रा में उनकी एक और उपलब्धि है। दो ऐसे विश्वसनीय सहयोगियों का साथ जो अगर राहुल ने बनाए रखा तो उनकी राजनीति का ग्राफ अब नीचे आने वाला नहीं। मीडिया डिपार्टमेंट के इंचार्ज महासचिव जयराम रमेश और यात्रा के संयोजक दिग्विजय सिंह यात्रा शुरू होने से पहले से सिर्फ और सिर्फ यात्रा और राहुल के लिए काम कर रहे हैं। कांग्रेस में आमतौर पर ऐसा होता नहीं। यहां नेता सिर्फ अपने लिए काम करते हैं। 2017 से 2019 तक जब तक राहुल अध्यक्ष रहे कई लोगों को काम सौंपा मगर उन्होंने दिए हुआ काम करने के बदले इसमें अपनी पूरी क्षमता लगाई कि उनकी खुद की छवि कैसे चमके। और बाकी दूसरे काम करने वाले लोग कैसे राहुल के करीब न आ पाएं। राहुल ने जब 2019 में अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया तो यही कहा कि उन्हें अपने लोगों ने धोखा दिया है।

सबक राहुल को सीखना है। छवि तो उन्होंने बदल ली। मगर वफादार और वफा का झूठा प्रदर्शन करने वालों में फर्क करना उन्हें खुद सीखना होगा। यात्रा अपने आप में बड़ा अनुभव है। जनता से मिलने और सीखने का तो है ही। मगर राजनीति में जो बात जरूरी सीखना है वह है अपने आसपास कैसे लोगों रखना। राहुल को याद रखना चाहिए कि उनके पिता राजीव गांधी को धोखा उनके खास लोगों ने ही दिया था। प्रियंका ने रायबरेली में अरुण नेहरू के लिए कहा था मेरे पिता की पीठ में छुरा घोंपने वाले! राहुल को पुराने अनुभवों से सबक सीखना होगा। यात्रा का वास्तविक लाभ तभी होगा जब संगठन मजबूत हो। पार्टी में ऐसे लोगों को काम करने का मौका मिले जो अपने लिए नहीं कांग्रेस के लिए काम करते हों। नेतृत्व की छवि निखराने की जिनमें योग्यता हो और इच्छा हो। कांग्रेस अपने लिए राजनीति करने वालों से भरी पड़ी है। मगर यात्रा में यह दोनों लोग दिग्विजय और जयराम ऐसे निकल कर सामने आए हैं जो साहस, योग्यता और वफादारी सभी गुण रखते हैं। और इनका इस्तेमाल पार्टी और नेतृत्व के लिए करते हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

3 दिन बीत जाने के बाद भी नहीं हुई रिदा रशीद की गिरफ्तारी

बे मुद्दत भूख हड़ताल पर बैठे दलित समाज के प्रवीण पवार की हालत बिगड़ी, एनसीपी आक्रोशित

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। 3 दिन बीत जाने के बाद भी रिदा रशीद की गिरफ्तारी नहीं की गई 21 नवंबर सोमवार सुबह 11 बजे से बे मुद्दत भूख हड़ताल पर बैठे प्रवीण पवार का तीसरा दिन के समाप्ति करण के बाद भी रिदा रशीद की गिरफ्तारी नहीं हुई और उनकी हालत बिगड़ती हुई नजर आ रही है इस मामले में मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग और सहायक पुलिस आयुक्त विलास शिंदे द्वारा आश्वासन दिया जा रहा है कि जल्द ही रिदा रशीद को गिरफ्तार किया जाएगा लेकिन एनसीपी आश्वासन मानने को तैयार नहीं है उनका कहना है पहले रिदा रशीद को गिरफ्तार करो उसके बाद बात करो वहीं दूसरी ओर मनपा प्रशासन के डॉक्टर द्वारा जांच पड़ताल में बताया गया है कि प्रवीण पवार की हालत बिगड़ती जा रही है और उन्हें अस्पताल में भर्ती करने आवश्यक हैं परंतु एनसीपी के शमीम खान अशरफ शानू पठान चेतना दीक्षित जफर नोमानी और तमाम समर्थक आक्रोशित होकर मौजूदा सरकार पर आरोप लगाया जा रहा है कि दबाव के कारण पुलिस अपना काम करने में असमर्थ दिखाई दे रही है तमाम एनसीपी के समर्थकों का कहना है कि जब तक रिदा रशीद को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा पठान ने कहा हमारे विधायक पर झूठा मामला

दर्ज कराया गया उन्हें गिरफ्तार किया गया उन्हें न्यायालय से जमानत लेनी पड़ी लेकिन रिदा रशीद को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है उन्होंने आक्रोश भरे अंदाज में कहा जब तक रिदा रशीद गिरफ्तार नहीं की जाती तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा मौजूदा सरकार हम पर चाहे जितने अत्याचार कर ले हम लोग डटे रहेंगे पीछे नहीं हटेंगे आपको बताते चलें रिदा रशीद पर दलित समुदाय द्वारा एट्रोसिटी एक्ट का मामला दर्ज कराया गया है और यह मामला 14 नवंबर सोमवार को दर्ज किया गया था 9 दिन बीत जाने के बाद भी उनकी गिरफ्तारी नही की गई रिदा रशीद पर यह आरोप है कि उन्होंने छठ पूजा के अवसर पर दलित समुदाय के शिव जगताप को शंकर मंदिर स्थित मुंबश्वर मंदिर से बाहर निकलने को कहा था और उनके साथ अभद्र व्यवहार कर गाली गलौज की थी और उनको नीचा दिखाने की कोशिश की गई जिसके बाद उनकी शिकायत पर मुंब्रा पुलिस स्टेशन में एट्रोसिटी एक्ट का मामला दर्ज किया गया गौरतलब बात तो यह है मुंब्रा शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म है कि लोगों की प्रतिक्रिया यह आ रही है की एनसीपी दलित समाज के कंधे पर बंदूक रखकर अपना बदला लेने की कोशिश कर रही है क्योंकि रिदा रशीद द्वारा आमदार को गिरफ्तार कराया गया उसका बदला लेने की कोशिश की जा रही है लोगों का कहना है अगर दलित समाज को रिदा रशीद पर मामला दर्ज कराना था तो क्या वह इंतजार देख रहे थे क्या हमारे आमदार गिरफ्तार होंगे उसके बाद हम एट्रोसिटी एक्ट का मामला दर्ज कराएंगे पहले मामला दर्ज क्यों नहीं कराया गया जबकि यह घटना 30 अक्टूबर से पहले की है इस मामले में कहीं ना कहीं राजनीतिक द्वेष का मामला भी सामने आ रहा है लोगों का यह भी कहना है टोरेंट से जनता बुरी तरह से परेशान है एनसीपी द्वारा राज्य में सरकार रहने के बावजूद भी ऐसे कदम क्यों नहीं उठाए गए जिससे जनता को राहत मिल जाति जबकि एनसीपी के शमीम खान द्वारा कहा गया था कि टोरेंट पावर को मुंब्रा शहर में आने से पहले मेरी लाश पर से गुजरना पड़ेगा उसके बाद भी टॉरेंट पावर आ गया उस वक्त एनसीपी द्वारा राज्य में सरकार रहने के बावजूद भी बे मुद्दत भूख हड़ताल क्यों नहीं की गई चक्का जाम क्यों नहीं किया गया सड़कों पर टायर क्यों नहीं जलाए गए उस वक्त एनसीपी के नगरसेवक कार्यकर्ता सड़कों पर क्यों नहीं उतरे आंदोलन क्यों नहीं किया गया अगर इसी तरह का आंदोलन किया जाता तो शायद टोरेंट मुंब्रा शहर में नहीं आती और जनता परेशान नहीं होती जिस जनता ने आप को चुनकर लाया हैं उसके लिए कोई आंदोलन नहीं भूख हड़ताल नहीं आमदार की गिरफ्तारी का बदला लेने के लिए दलित समाज को मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है इस तरह के कई प्रतिक्रियाएं मुंब्रा शहर की जनता से सामने आ रही है फिलहाल अब देखना यह है एनसीपी द्वारा दी गई आंदोलन की चेतावनी के बाद रिदा रशीद गिरफ्तार होंगी यह तो समय ही बताएगा क्यों के समय बड़ा बलवान है।

नर्स से दूसरी शादी के लिए पत्नी को लगाया जहरीला इंजेक्शन, 5 महीने पहले ही हुआ था ब्याह

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी को जहर का इंजेक्शन देकर मौत के घाट उतार दिया। आरोपी एक अस्पताल में नर्स के रूप में काम करता है। पौड़ पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा कि आरोपी स्वप्निल सावंत का निजी अस्पताल में सहयोगी नर्स के साथ प्रेम संबंध चल रहा था और वो उससे शादी करना चाहता था, लेकिन पहली पत्नी के चलते वो शादी नहीं कर पा रहा था। इसी कारण उसने अपनी पत्नी को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 5 महीने पहले प्रियंका क्षेत्रे से प्रेम विवाह किया था। दोनों कासार अंबोली में एक किराए के मकान में रहने लगे थे। स्वप्निल मुलशी तालुका के घोटावडे फाटा स्थित अस्पताल के आईसीयू में मेल नर्स के नौकरी कर रहा था। पुलिस ने बताया कि 14 नवंबर को आरोपी अपनी पत्नी को तबीयत खराब होने पर अस्पताल लेकर गया था। जहां डॉक्टरों उसकी पत्नी को मृत घोषित कर दिया। अपनी पत्नी की हत्या को अंजाम देने के लिए आरोपी पहले ही अपने अस्पताल के आईसीयू से कुछ घातक दवाई चुरा लाया था। पत्नी प्रियंका ने जब पति से सिर दर्द की शिकायत की तो उसने अपनी पत्नी को वो ही जहरीली दवाई का इंजेक्शन लगा दिया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

पठान वाडी व मालवणी में इलाज के नाम पर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं फर्जी डॉक्टर

बिना किसी डिग्री के छोटे-बड़े हर मर्ज का इलाज इन फर्जी डाक्टरों के पास किया जाता है। अगर मरीज थोड़ा ठीक भी है और इनके इलाज करने से ज्यादा सीरियस हो जाएं तो इन्हें कोई परवाह नहीं रहती। इन झोलाछाप डॉक्टरों का लक्ष्य सिर्फ पैसे कमाना ही होता है। यही वजह है कि आए दिन गरीब तबके के लोग इन डॉक्टरों के शिकार हो जाते हैं। जिसका खामयाजा कई बार उन्हें अपनी मौत को गले लगाकर चुकाना पड़ता है। जिससे उन्हें अपनी जान तक गवाना पड़ता हैं। इसके बावजूद भी ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। झुग्गियों में सैकड़ों की संख्या में झोलाछाप डॉक्टर क्लीनिक चला रहे हैं। उन्हें पता है कि विभाग कभी छापेमारी करने नहीं आएगा चूंकि विभागीय अधिकारियों के साथ उनकी सांठ-गांठ रहती है। किसी शिकायत पर अगर छापेमारी हो भी जाती है तो इसकी जानकारी इन्हें पहले ही मिल जाती है। अवैध क्लीनिकों के अलावा अवैध मेडिकल स्टोर भी सैकड़ों की संख्या में चल रहे हैं। यही नहीं इन मेडिकल स्टोर पर उन दवाइयों को भी आसानी से लिया जा सकता है जिन पर बैन है। सूत्रों का दावा है कि किसी झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ जब भी किसी के द्वारा शिकायत करने पर छापेमारी की जाती है। तो इससे पहले ही उन्हें इस छापेमारी की जानकारी मिल जाती है। इसी का फायदा उठाकर ये झोलाछाप डॉक्टर अपनी दुकान बंद कर मौके से गायब हो जाते हैं।

महाराष्ट्र में तीसरी से आठवीं क्लास के स्टूडेंट्स को देना होगा एग्जाम

इसके मुताबिक, राज्य में शिक्षा का 'केरल पैटर्न' लागू किया जाएगा। पहली और दूसरी के छात्र छोटे हैं। इसलिए, उन्हें बिना परीक्षा दिए तीसरी और बाद की कक्षाओं के लिए आयोजित किया जाएगा। दीपक केसरकर ने यह भी कहा कि हालांकि परीक्षाएं कराई जाएंगी लेकिन आठवीं कक्षा तक किसी भी छात्र को अनुत्तीर्ण नहीं किया जाएगा। बता दें कि तीसरी कक्षा से फिर से वार्षिक अभ्यास परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि आप प्रैक्टिस एग्जाम में फेल हो जाते हैं या कम अंक प्राप्त करते हैं, तो आपको दोबारा परीक्षा देना पड़ेगा। इस फैसले पर अमल अगले साल से जारी किया जाएगा। उसके बाद अगले साल की परीक्षाएं चरणबद्ध तरीके से कराई जाएंगी और हर 10 साल में पाठ्यक्रम में बदलाव किया जाएगा। केंद्र सरकार की शिक्षा नीति के तहत कक्षा आठवीं तक बगैर परीक्षा के पढ़ाई से होने वाले नुकसान के मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार चाहती है कि तीसरी कक्षा से हर माह परीक्षा आयोजित की जाए। इस परीक्षा में फेल होने वाले बच्चों पर टीचर खास ध्यान देंगे। सरकार का मानना है कि प्रतिस्पर्धा बढने से शिक्षा की गुणवत्ता अच्छी हो सकेगी। राज्य के स्कूली शिक्षामंत्री दीपक केसरकर ने पिछले दिनों देश के सर्वाधिक साक्षर राज्य केरल की शिक्षा व्यवस्था का अध्ययन करने के लिए शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ केरल का दौरा किया।

मुंबई में एक ही दिन में 565 बिजली चोरों के खिलाफ कार्रवाई

बिजली चोरी करने वाले 403 और अनाधिकृत बिजली का इस्तेमाल करने वाले 162 लोगों समेत कुल 565 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कल्याण मंडल ई के तहत महावितरण को मलंग विद्युत लाइन पर भाल, वासर, द्वारली, नेवाली, धवलपाड़ा, पालेगांव और घरपे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी की सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर महावितरण के 588 कर्मचारियों की 76 टीमों ने इस क्षेत्र में 7 हजार 261 बिजली कनेक्शनों का निरीक्षण किया। इस जांच में पता चला कि 151 जगहों पर बिजली चोरी हो रही है। इसके अलावा 237 बिजली मीटर टूटी सील और संदिग्ध सामान बदामद किया गया। इसके साथ ही 74 ग्राहकों के खराब बिजली मीटर बदले गए। बता दें कि वाशी मंडल में वांगणी विद्युत लाइन पर वंजे, देविचा पाड़ा, खेरना, चंद्रन, टोंड्रे, पाले खुर्द के क्षेत्रों में 500 कर्मचारियों की 98 टीमों द्वारा 3 हजार 985 बिजली कनेक्शनों का निरीक्षण किया गया।

गहलोत ने पायलट को बताया बीजेपी का एजेंट

गहलोत ने राजस्थान में कांग्रेस की सरकार गिराने के राजनीतिक प्रपंच के लिए ने पायलट को जिम्मेदार ठहराया और उन्हें बीजेपी का एजेंट तक बोला। उन्होनें कहा, 2020 में मानेसर में बीजेपी की मिलीभगत से राजस्थान की सरकार गिराने की साजिश में सचिन पायलट और उनके साथी विधायक शामिल थे जिन्हें बीजेपी से 5 से 10 करोड़ रुपए मिले थे।

अभिनेता-निर्देशक निलेश मल्होत्रा की फिल्म को गोवा में आईएफएफआई 2022 के दौरान एनएफडीसी फिल्म बाजार में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली

अभिनेता, निर्देशक और निर्माता निलेश मल्होत्रा ने एनएफडीसी फिल्म बाजार में धूम मचा दी है, जो वर्तमान में गोवा में आईएफएफआई 2022 में चल रहा है। मल्होत्रा ने 5 बॉलीवुड फिल्मों में एक प्रमुख नायक के रूप में और 3 हॉलीवुड फिल्मों में प्रमुख भूमिका निभाई है, और टीवी अभिनेता ने 15 से अधिक शीर्ष टीवी शो किए हैं और 35 से अधिक उत्पादों के लिए मॉडलिंग की है। एक फिल्म निर्माता के रूप में उनकी यात्रा तब शुरू हुई जब उन्होंने 2008 में मोहरे के साथ अपना प्रोडक्शन हाउस मल्होत्रा प्रोडक्शंस लॉन्च किया (जिसमें शीबा, निक्की अनेजा, टॉम ऑल्टर और उनके साथ) नीरज पाठक द्वारा निर्देशित थी। 2013 में एक निर्देशक के रूप में उनकी यात्रा स्कॉटलैंड की प्रोडक्शन कंपनी के सह-निर्माण में उनकी पहली अंग्रेजी फिल्म 'हंकी पनकी' के साथ शुरू हुई। हैंकी पनकी में 95% से अधिक स्कॉटिश लोग गैर-अभिनेता थे, उन्होंने एक प्रमुख व्यक्ति और निर्माताओं में से एक के रूप में निर्देशन और अभिनय किया। इस फिल्म को 2013 में कान फिल्म फेस्टिवल में 80 देशों और 50000 फिल्मों में से चुना गया था। निलेश मल्होत्रा अब अपनी फिल्म 'मिस्टी पे' के निर्देशक, अभिनेता और एक निर्माता के रूप में अपनी दूसरी फिल्म के प्रचार के लिए एनएफडीसी में हैं, जो रिलीज होने वाली है। वह इस फिल्म के निर्माता हैं और इसमें निर्देशन और अभिनय भी किया है। सुखविंदर सिंह 3 बार ऑस्कर पुरस्कार के लिए नामांकित हॉलीवुड डीओपी जैक कॉनरॉय के साथ संगीत निर्देशक हैं। जीनत अमान, जावेद शेख, करण खन्ना, निकिता आनंद, रजत बेदी और निलेश मल्होत्रा प्रमुख कलाकार हैं।

सिरोही जिले में पहुंची अहिंसा यात्रा, यात्रा संयोजक ने विधायक से मुलाकात की

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सिरोही में गौ वंश को राष्ट्रीय पशु घोषित करो अभियान के तहत 18 अगस्त 2022 से हिन्दू युवारत्न उपाधि से अलंकृत वरिष्ठ पत्रकार गौ रक्षक विनायक अशोक लुनिया देश भर के 4980 विधायक (दोनों सदनों के) एवं 788 सांसद (दोनों सदनों के) से मुलाकात कर उनसे गौ वंश को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए लिखित समर्थन प्राप्त कर रहे है। इसी कड़ी में श्री लुनिया बुधवार को सिरोही जिले में प्रवेश कर स्थानीय आबु पिण्डवाड़ा विधायक श्री समाराम गरासिया से मुलाकात की और अहिंसा यात्रा की जानकारी दि, जिसमे संयोजक श्री लुनिया के साथ पिण्डवाड़ा से अहिंसा परमोधर्म मानव सेवा संस्थान के सदस्य भूपेंद्र परमार भी मौजूद थे। वहीं श्री लुनिया जिले की सूरी प्रेम जीवदया केंद्र पांजरापोल परलाई में गौ वंश के दर्शन किए व गौशाला का निरक्षण कर सिरोही विधायक संयम लोढ़ा जी से मुलाकात कर यात्रा के बारे में जानकारी दी और श्री लोढ़ा से यात्रा के लिए समर्थन प्राप्त किया। लुनिया ने बताया कि गौ वंश को राष्ट्रीय पशु घोषित करो अभियान उनके पिता श्री स्वर्गीय अशोक जी लुनिया साहब की अंतिम इच्छा थी और वो यह लड़ाई लड़ते लड़ते 16 मार्च 2017 को दुनिया से अलविदा कर गए वहीं 4 अगस्त 2022 को श्री लुनिया की माताजी का भी स्वर्गवास हो गया उसके बाद श्री लुनिया 18 अगस्त 2022 से लगातार देश भर के विधायक सांसदों से समर्थन जुटाने में लगे हुए है और अब तक 500 से अधिक जनप्रतिनिधियों का समर्थन प्राप्त कर चुके है। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार भुपेंद्र परमार ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

स्वस्थ जीवन शैली अपनाने से हृदयाघात से बचाव संभव हैं: डॉ. सुनील रहेजा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'हृदयाघात कारण व बचाव' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 470 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता डॉ.सुनील रहेजा (सी.एम.ओ.,जी.बी. पंत अस्पताल) ने कहा कि स्वस्थ जीवन शैली अपनाने से हृदयाघात से बचाव सम्भव है।अनियमित खान-पान, रहन सहन व व्यायाम से हृदयाघात का खतरा बढ़ जाता है। प्रातः 10 से शाम 5 बजे तक सैर का समय उपयुक्त रहता है क्योंकि धूप के कारण प्रदूषण कम होता है। आजकल सुबह व रात की सैर से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सादा संतुलित भोजन, व्यायाम प्राणायाम प्राण शक्ति बढ़ाते हैं। डांस करना,संगीत सुनना, हास्य योग करना, तनाव मुक्त रहना, मैदा से बचना, हरि सब्जी का प्रयोग, रिफाइंड तेल तेल से बचाव और सरसों के तेल प्रयोग करने की आवश्यकता है तभी हम अच्छा स्वस्थ जीवन यापन कर सकते हैं। मुख्य अतिथि चौ. चौधरी मंगल सिंह जी ने बताया कि हमारा मिशन 125 वर्ष तक जीवित रहने का है हम सांस पानी और भोजन तीनों आयामों को समझ लें तो हम 125 वर्ष तक क्या आगे भी स्वस्थ जीवित रह सकते हैं, जहां तक बात सांस की करते हैं तो हम आलस के वशीभूत होकर छोटा सांस लेते हैं जबकि प्रकृति ने हमें बड़ा सांस लेने की मशीन प्रदान की है, बहुत अधिक समय तक केवल छोटा सांस लेने की वजह से हमारे लंग्स सिकुड़ जाते हैं जिसकी वजह से वह पूरा कार्य नहीं करते तथा हमारे शरीर में ऑक्सीजन की कमी हमेशा बनी रहती है यदि हम आधा घंटा डीप ब्रीथिंग कर लें तो हम 24 घंटे के लिए रिचार्ज हो सकते हैं जहां तक बात पानी की है पानी हमारे शरीर को 75% तक प्रभावित करता है, जो भी पानी हम पीते हैं ना तो उसे कभी चेक करते हैं और ना ही कितना पानी पीना है, विषय पर विचार करते हैं, जिसकी वजह से शरीर में हमेशा पानी की कमी बनी रहती है, तथा शरीर के अंदर जमा हुए टॉक्सिंस बाहर नहीं निकल पाते, जब से हमारे देश में आर ओ का चलन हुआ है तब से बीमारियां ओर बढ़ी हैं क्यों कि हमने आर ओ मशीन के द्वारा पानी का टीडीएस बहुत कम कर दिया है, जिसकी वजह से पीने का पानी एसिडिक हो जाता है जो कि हमारी पेन क्रिया, लीवर, किडनी, तथा शरीर के अन्य भागों को धीरे धीरे नुकसान पहुंचाता रहता है जिसके कारण से कुछ समय बाद हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती जाती है, जिससे हम धनवान होते हुए भी कंगाल की तरह जीवन व्यतीत करते रहते हैं जहां तक बात भोजन की है किसान जो भोजन पैदा करता है वह कीटनाशक का प्रयोग करता है जिसकी वजह से हमारे खाने की चीजों में भी जहर आ जाता है जिसे हम कह सकते हैं कि हम खाने के साथ-साथ धीमा जहर भी खा रहे हैं जिसकी वजह से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता दिन प्रतिदिन कम होती जाती है, यही कारण है हमें बुखार, खांसी जुकाम फीवर तथा कोरोना जैसी महामारी घेर लेती है,अतः स्वस्थ जीने के लिए हमें तीनों आयामों पर काम करना होगा, सांस, पानी व भोजन।

शिक्षा अधिकारी भंवर सिंह का महात्मा गांधी विद्यालय में भव्य स्वागत किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा सिरोही भंवर सिंह के निरक्षण के दौरान शिवगंज आगमन पर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में प्रधानाचार्य हेमलता चौधरी द्वारा साफा-शॉल एवं शिक्षक नेता धर्मेन्द्र गहलोत द्वारा माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील)के प्रदेश मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार प्रधानाचार्य हेमलता चौधरी ने बताया कि सेवा निवृत्त होने वाले जिला शिक्षा अधिकारी भंवरसिंह ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि नई उर्जा के साथ अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का नाम रौशन कर अच्छे परिणाम देने की नसीहत दी। साथ ही उन्होने कहा कि जिस तरह महात्मा

गांधी विद्यालय शिवगंज ने एक सत्र में ही 12 शील्ड जीत कर जिले में परचम लहराया है। उसका समस्त श्रेय विद्यालय के शारीरिक शिक्षक एव शिक्षक नेता धर्मेन्द्र गहलोत को जाता हैं। जिले में खेल क्षेत्र में छात्र-छात्राओं ने नई उर्जा का संचार किया हैं। ऐसे कठिनतम खेलो में शील्ड जीतना वास्तव में बेमिशल उपलब्धि हैं। इस अवसर पर छगनलाल भाटी, महेन्द्रपाल परमार, भंवरलाल हिण्डोनिया, नितेश शर्मा, मुकेश कुमार, कुलदीपसिंह कविराज, मनीष शर्मा, रमेश कुमार, कुपाराम, विनोद कुमार, संदीप कुमार, डॉ.दिनेशकुमार, कुलदीप बांगडा, आदित्य चौधरी, गुलाब चन्द, सुरजीतसिंह कविया सहित विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भव्य स्वागत किया।

दिल्ली में पूर्व मंत्री के घर 50 लाख की चोरी करने वाला माल समेत कानपुर में गिरफ्तार

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां के एक निवासी को दिल्ली के सफदरजंग में उत्तराखंड के पूर्व राज्यमंत्री और भारतीय सर्व समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकुमार वालिया के फ्लैट से 50 लाख रुपये और करीब सात तोला सोना के जेवर से भरा बैग लेकर भागना महंगा पड़ा। उसे यहां के नौबस्ता हंसपुरम आवास विकास में उसके घर पर दबिश देकर चोरी का माल बरामद करने के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। उसे दिल्ली के सफदरजंग पुलिस ने सर्विलांस की सहायता से उसकी लोकेशन ट्रेस करके पकड़ा। मिली जानकारी के मुताबिक बीती 12 नवंबर की रात सफदरजंग थाना क्षेत्र के अर्जुन नगर बड़ा गुरुद्वारा स्थित सफदरजंग एनक्लेव में रहने वाले पूर्व राज्यमंत्री उत्तराखंड और भारतीय सर्व समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकुमार वालिया के फ्लैट में एक आयोजन के दौरान बैग चोरी हुआ था। जिसमें 50 लाख कैश और सात तोला सोना के जेवर थे। जिसपर सफदरजंग थाने में चोरी की तहरीर दी गई थी। पुलिस की छानबीन के दौरान इस घटना में पूर्व राज्यमंत्री रामकुमार वालिया ने घटना के बाद से गायब कानपुर नौबस्ता के आवास विकास कालोनी में रहने वाले अपने कर्मचारी जयप्रकाश गुप्ता पर शक जताया था। जिसके बाद सफदरजंग पुलिस उसकी तलाश लगातार कर रही थी। पुलिस के मुताबिक 22 नवंबर की रात जयप्रकाश की लोकेशन नौबस्ता क्षेत्र में मिलने के बाद उसका मोबाइल बंद हो गया था। इसके बाद मोबाइल फिर खुला और कुछ देर बाद दोबारा बंद हुआ। इसी आधार पर पुलिस टीम लोकेशन ट्रेस करते हुए आज गुरुवार तड़के उसके घर पहुंच उसे गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त करते हुए उसके घर से चोरी का माल भी बरामद कर लिया।

अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ का तृतीय प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन 25 व 26 को जोधपुर में

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ का तृतीय प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन 25 नवंबर 26 नवंबर 2022 को मेडिकल कॉलेज सभागार जोधपुर में केसर सिंह चंपावत व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह सोढी के निर्देशन में आयोजित जा रहा है। सम्मेलन का प्रथम सत्र 25 नवंबर 2022 को प्रातः 11:00 आयोजित किया जाएगा इस कार्यक्रम में प्रबोधक की समस्याओं पर विचार विमर्श किया जाएगा और एक प्रतिवेदन तैयार करके राज्य सरकार को सौंपा जाएगा। प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन की तैयारी को लेकर अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ जिला शाखा भीलवाड़ा की बैठक मुखर्जी उद्यान में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह राणावत प्रदेश उपाध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि सुरेश चंद्र रेगर प्रदेश महामंत्री एवं अध्यक्षता किशन सिंह राठौड़ जिलाध्यक्ष भीलवाड़ा ने की। बैठक में प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में प्रबोधक भाई -बहिनों को भाग लेने का आह्वान किया गया। जिलाध्यक्ष किशन सिंह राठौड़ ने सभी ब्लॉक अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रभारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई।इस अवसर पर संभाग मीडिया प्रभारी गजराज सिंह राठौड़, जिला महामंत्री ललित कुमार तिवारी, जिला मंत्री गोपाल लाल बेरवा, जिला मुख्य प्रवक्ता देवकीनंदन पालीवाल, ब्लॉक अध्यक्ष सहाड़ा रोशन लाल सालवी, मांडलगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष मथुरा लाल माली, बनेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष लादू लाल सुथार, पदाधिकारी देवी सिंह, असलम शेख सहित कई प्रबोधक पदाधिकारी उपस्थित थे। जिला अध्यक्ष किशन सिंह राठौड़ ने बताया की भीलवाड़ा जिला से सैकड़ों की संख्या में प्रबोधक साथी 25 नवंबर को इस कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे 'इस कार्यक्रम के लिए कुछ बसें 24 नवंबर को रात्रि में रवाना होगी व कुछ ब्लॉकों से 25 नवंबर को प्रातः में रवाना होगी इसके लिए सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई है इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राणावत, प्रदेश महामंत्री सुरेश रेगर, संभाग मीडिया प्रभारी गजराज सिंह राठौड़, संभाग प्रतिनिधि राजमल बंजारा, रमेश वसीटा भगवत सिंह, सभा अध्यक्ष गिरधारीलाल गुर्जर, महामंत्री ललित तिवारी, जिला मंत्री सुभाष विजयवर्गीय, जिला उपाध्यक्ष हरिशंकर जाट, जिला कोषाध्यक्ष विमल आचार्य, मीडिया प्रभारी ईश्वर लाल भील, एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्ष नंदलाल शर्मा शाहपुरा, हरलाल गुर्जर जहाजपुर, गोपाल धाकड़ बिजोलिया, देवराज सिंह कोटडी, मथुरा लाल माली मांडलगढ़, मुकेश सेन सुवाणा, रोशन लाल सालवी सहाड़ा, मेवाराम गुर्जर करेड़ा, शंकर लाल प्रजापति आसींद, लादू लाल सुथार बनेड़ा, ब्लॉक प्रभारी गोपाल लाल जोशी, कैलाश शर्मा मांडल एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी आदि पदाधिकारी तैयारियों में जुटे हुए हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

रविकांत तुपकर के जलसमाधि आंदोलन को सरकार ने लिया गंभीरता से दखल

सोयाबीन-कपास भाव के लिए प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल लेकर जाएंगे केंद्रः मुख्यमंत्री

मुंबई हलचल / संवाददाता

सोयाबीन-कपास उत्पादकों की मांगों को लेकर रविकांत तुपकर ने आक्रामक रुख अपनाते हुए हजारों किसानों के काफिले के साथ जलसमाधि आंदोलन के लिए मुंबई में प्रवेश किया था। इस बीच राज्य सरकार ने इस आंदोलन को गंभीरता से लिया और तुपकार को चर्चा के लिए आमंत्रित कर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने रविकांत तुपकर की मांगों को समझा और सोयाबीन-कपास किसानों की समस्याओं को लेकर सकारात्मक चर्चा की। दोपहर 2.30 बजे सहयाद्री गेस्ट हाउस मुंबई में बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री एन. एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार, सहकारिता मंत्री एन. अतुल सावे कृषि सचिव एकनाथ डावले सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। किसानों को 5 हजार प्रति हेक्टेयर दिया जाना चाहिए, सोयाबीन का मूल्य कम से कम 8,700 रुपये और कपास का 12,700 रुपये रखने के लिए सोयापेंड (डीओसी) को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। पिछले

साल आयातित 5 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन मील के लिए दिसंबर तक दिया गया विस्तार रद्द किया जाए, सोया मील का आयात न किया जाए। इस तरह से सरकार के सामने रखी गई। इस तरह विभिन्न मांगों को तुपकर ने सोयाबीन और कपास की उत्पादन लागत और उपज के बीच के अंतर को विस्तार से बताया। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री ने तुपकर की बातों और सभी मांगों को गंभीरता से समझा। इस प्रतिनिधिमंडल में दामोदर इंगोले, डॉ. ज्ञानेश्वर ताले, अमोल राउत, अमोल हिप्परगे, अनंत मानकर आदि शामिल थे। सोयाबीन-कपास उत्पादकों की समस्याएं जायज हैं, हम राज्य स्तर पर अधिकांश मांगों को तत्काल पूरा करेंगे, वहीं केंद्र सरकार से संबंधित मांगों को लेकर केंद्र सरकार से फालोअप करेंगे, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष के साथ प्रतिनिधिमंडल की बैठक करेंगे गोयल और केंद्र सरकार के साथ सोयाबीन-कपास के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए जल्द ही राज्य सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली ले जाएं।मुख्यमंत्री एन. एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मनपा/एन वॉर्ड के सहायक आयुक्त संजय सोनावणे के संरक्षण में फल फूल रहे हैं अवैध निर्माणकर्ता

मनपा एन/वॉर्ड के सहायक आयुक्त संजय सोनावणे के कार्यक्षेत्र प्रभाग 130, 129 व 126 में अवैध निर्माणों की बहार

उक्त अवैध निर्माणों पर कब चलेगा मनपा का बुलडोजर?

क्या मनपा/एन वॉर्ड के सहायक आयुक्त संजय सोनावणे को उक्त अवैध निर्माणों पर कार्रवाई न करने के लिए मिला है नजराना?

प्रभाग क्र.126 एल्लूरे फॅमिली सलोन अँड स्पा जी.के बार आणि रेस्टॉरंट व नागौरी फातमा टी मिल्क सेंटर दामोदर पार्क नियर अशोक सिल्क मिल्क एल बी एस मार्ग घाटकोपर (प.)

प्रभाग क्र.130 शुरूआत व्हेज फूड जर्नी नियर खलाई व्हिलेज घाटकोपर (प.)

प्रभाग क्र.129 धर्मवीर संभाजी पथ साई हनुमान मंदिर आजाद नगर घाटकोपर

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सहायक आयुक्त संजय सोनावणे का कहना है कि अगर **आपको अवैध निर्माण करना है तो पहले आप हमारे पास हमारा हिस्सा पहुंचा दो फिर बिंदास अवैध निर्माण करो,** आप पर कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी

सहायक आयुक्त संजय तात्याबा सोनावणे एन/वार्ड मनपा

मुंबईहलचल/अजय उपाध्याय

मुंबई। मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल आपको अवगत कराना चाहता हूं की मनपा एन/वॉर्ड के सहायक आयुक्त संजय सोनावणे द्वारा अवैध निर्माणकर्ता व ठेकेदारों के साथ सांठ गांठ करके कानून कायदों की धज्जीयां उडाते हुये प्रभाग क्र.126 एल्लूरे फॅमिली सलून अँड स्पा जी. के फॅमिली बार अँड रेस्टॉरंट नागौरी मिल्क अँड टी सेंटर एल बी एस मार्ग दामोदर पार्क/प्रभाग क्र.129 धर्मवीर संभाजी पथ साई हनुमान मंदिर आजाद नगर व प्रभाग क्र.130 शुरूआत व्हेज फूड जर्नी समीप खलाई गांव घाटकोपर (प.) में खुलेआम अवैध निर्माण का कार्य हुआ है। सूत्रों से यह भी पता चला है की उक्त अवैध निर्माणों को नोटिस देकर बस खानापूर्ति की गई है अवैध निर्माण कर्ता व ठेकेदारों द्वारा एन/वॉर्ड में किये जा रहे अवैध निर्माणों का पैसा मनपा दुय्यम अभियंता कैलाशनाथा थोरात द्वारा एन/वॉर्ड के सहायक आयुक्त संजय सोनावणे तक पहुंचाया जाता है क्योंकि संशय तब और भी गहरा हो जाता है की लगातार खबरे प्रकाशित होने के बावजूद अभी तक कोई कारवाई हुयी नही है। मनपा एन विभाग में आसीन सहायक आयुक्त संजय सोनावणे निरन्तर हुए अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करने से क्यों कतरा रहे है और अवैध निर्माणकर्ताओ से कौन सा रिश्ता निभा रहे है?

गोधरा में गूंज रहा बिलकिस बानो और अहमद पटेल का नाम! ओवैसी-आप बने भाजपा-कांग्रेस की टेंशन

विस्तार। गुजरात का पंचमहल जिला पांच जिलों से मिलकर बना है। हर चुनावों में इस जिले की एक मात्र सीट पर पूरे प्रदेश नहीं बल्कि पूरे देश की नजर टिकी होती है। 2002 के दंगों के बाद चर्चा में आई गोधरा सीट की प्रदेश के सबसे चर्चित सीटों में से एक है। इस सीट पर फिलहाल भाजपा उम्मीदवार का बिलकिस बानो के बलात्कारियों को 'संस्कारी ब्राह्मण' बताने वाला बयान चुनावी मुद्दा बना हुआ है। जबकि कांग्रेस के कार्यकर्ता अपनी जीत के लिए कद्दावर नेता रहे अहमद पटेल की कमी को महसूस कर कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस सीट को पार्टी कैसे जीते, इसके लिए पटेल ही रणनीति तैयार करते थे। इधर, ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और आम आदमी पार्टी ने भी अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। इससे भाजपा और कांग्रेस की बेचैनी बढ़ गई है। पंचमहल जिले में गोधरा, शेहरा, कलोल, हलोल और मोरवा विधानसभा सीटें आती हैं। क्षेत्र की गोधरा सीट मुस्लिम बहुल सीट है। इसके अलावा यहां आदिवासियों की भी अच्छी खासी तादाद है। 2017 के पहले गोधरा सीट को कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। क्योंकि वह हर चुनावों में अपनी सत्ता कायम रखने में सफल रहती थी। लेकिन 2017 के चुनाव में भाजपा ने यह सीट कांग्रेस से छीन ली। 2022 के चुनाव में भाजपा ने दोबारा सी.के. राउल को मैदान में उतारा है। कभी कांग्रेसी रहे सीके राउल ने 2017 के चुनाव के ठीक पहले भाजपा का हाथ पकड़ा था। लेकिन भाजपा के टिकट पर उन्हें जीत हासिल करने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ी थी। बावजूद इसके भाजपा ने फिर इन चुनावों पर राउल पर ही दांव खेला है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सर्दियों में प्रेगनेंट होने पर बढ़ जाता है डायबिटीज का खतरा

जो महिलाएं सर्दियों में गर्भ धारण करती हैं, उनको गर्भावस्था में डायबिटीज होने का खतरा अधिक रहता है। एक स्टडी में यह बात सामने आई है। इससे मां और बच्चे, दोनों को ही कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ एडिलेड के शोधकताओं ने अपनी इस स्टडी में बीते 5 साल में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में हुए 60,000 से अधिक शिशुओं के जन्म से जुड़े आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष निकाले। ये अपनी तरह की दुनिया में पहली स्टडी है।

गेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस को गर्भावस्था की गंभीर जटिलता माना जाता है। इसमें गर्भावस्था में ब्लड शुगर पर नियंत्रण नहीं रह पाता। इस तरह की डायबिटीज की जटिलताओं में मां का काफी वजनी हो जाना, बच्चे का समय से पहले जन्म, ब्लड शुगर का घट जाना आदि शामिल हैं। ऐसे में जन्म लेने वाले बच्चे में भी बड़े होकर टाइप 2 डायबिटीज से ग्रस्त होने का खतरा बढ़ जाता है। यूनिवर्सिटी ऑफ एडिलेड के रोबिनसन रिसर्च इंस्टीट्यूट से जुड़ीं पेट्रा वरबर्ग ने कहा, 'हमारी स्टडी अपनी तरह की पहली है जिसमें गेस्टेशनल डायबिटीज और 'किस मौसम में गर्भधारण हुआ' के बीच संबंध का पुख्ता सबूत मिलता है'। ये स्टडी 2007 से 2011 के बीच की गई। इसमें देखा गया कि 2007 में गेस्टेशनल डायबिटीज से प्रभावित होने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या 4.9 फीसदी थी जो 2011 में बढ़ कर 7.2 फीसदी हो गईं। स्टडी से ये भी सामने आया कि जो महिलाएं सर्दियों में गर्भ धारण करती हैं उनमें प्रेग्नेंसी के दौरान गेस्टेशनल डायबिटीज का खतरा ज्यादा होता है। इस तरह की कुल गर्भवती महिलाओं में 6.6 फीसदी महिलाओं में गेस्टेशनल डायबिटीज पाई गई। वहीं गर्मियों में गर्भ धारण करने वाली महिलाओं में ये आंकड़ा सिर्फ 5.4 फीसदी ही रहा. ये स्टडी बीएमजे डायबिटीज रिसर्च एंड केयर जरनल में प्रकाशित हुई है।

बढ़ते वजन को ऑफिस में काम करते हुए करें ऐसे कंट्रोल

वर्किंग होने के बाद अक्सर लोगों को वजन के बढ़ने की शिकायत होती है। बेशक घंटों कुर्सी पर बैठने से वजन बढ़ना तो तय है, लेकिन अगर आप चाहें तो अपनी रूटीन में थोड़े से फेरबदल करके मोटापे को कंट्रोल कर सकते हैं। इसलिए अपनाएं ये पांच आदतें और अपने वजन पर करें कंट्रोल-

- काम के दौरान भूख लगने पर कोई ऑयली फूड खाने से अच्छा है फ्रूट्स खाएं। आप चाहें तो ड्राई फ्रूट भी अपने साथ रख सकते हैं। हर समय कुछ-कुछ खाने से बचें।
- सीढ़ियां लेना हमेशा फायदेमंद होता है। सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से पैरों की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है। जरूरी नहीं है कि आपको वजन कम करना हो आप तभी सीढ़ियां ले।
- हर दो घंटे पर अपनी सीट से उठें और बाहर जाएं। इससे हार्ट बीट सही रहती है और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता हैं।
- रोजाना पानी पीना जरूरी है इसलिए याद रखें कि आप कम से कम 8-10 ग्लास पानी जरूर लें।
- ऑफिस में काम के दौरान कुर्सी पर देर तक बैठना पड़ता है। ऐसे में अपने बैठने के सही पॉश्चर का ध्यान रखें।

ज्यादा नमक बना सकता है दिल का मरीज

अगर आप खाने में जरूरत से अधिक नमक खाते हैं तो अलर्ट हो जाएं। ज्यादा नमक खाने की आदत आपको दिल का रोगी बना सकती है।

एम्स के कार्डियक विभाग के प्रमुख डॉक्टर जयंत मल्होत्रा बताते हैं कि खुद विश्व स्वास्थ्य संगठन इस बात को स्वीकार कर चुका है कि ज्यादा नमक न केवल आपको खाने में अजीब लगता है, बल्कि ये आपको दिल का रोगी भी बना सकता है।

आपको बता दें कि पिछले 30 साल में औसत भारतीय भोजन में बदलाव आया है। भारतीय कम मात्रा में दाल, फल और सब्जियां खा रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक रोजाना के भोजन में बताई गई नमक की मात्रा के मुकाबले भारत के लोग दोगुना नमक खाते हैं। इससे लोगों में हृदय रोग और जल्दी मृत्यु होने का खतरा बढ़ता है। डॉ. मल्होत्रा के मुताबिक हाल ही में जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ ने एक रिसर्च रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया गया था कि 19 वर्ष से ज्यादा आयु के भारतीय एक दिन में औसतन 10.98 ग्राम नमक खाते हैं। जबकि डब्ल्यूएचओ की ओर से सिर्फ पांच ग्राम प्रतिदिन की मात्रा अनुशंसित है। भारत के दक्षिणी और पूर्वी राज्यों में नमक का सेवन ज्यादा मात्रा में होता है. त्रिपुरा में लोग सबसे ज्यादा, औसतन 14 ग्राम प्रतिदिन नमक खाते हैं. यह डब्ल्यूएचओ की स्वीकृत मात्रा से तीन गुना ज्यादा है। भोजन में नमक, चीनी और नुकसानदेह वसा की मात्रा बढ़ गयी है, जो उच्च रक्तचाप, मोटापा, हृदय रोग जैसे दिल का दौरा जैसी बीमारियां बढ़ा रही हैं।

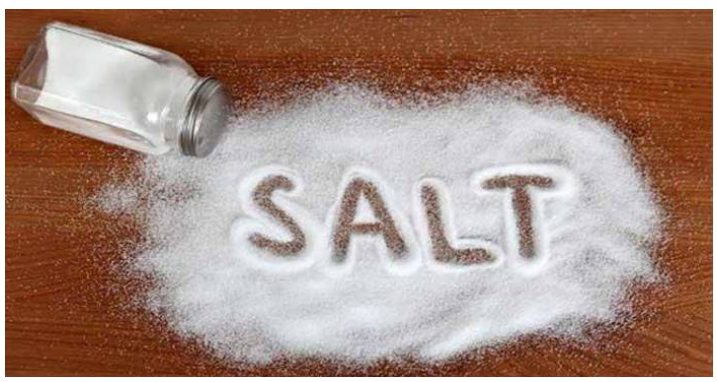

सेहत को लेकर ज्यादा सोचना हो सकता है आपके लिए खतरनाक

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग हमेशा तनाव से घिरे रहते हैं। ऐसे में वो अपने सेहत को लेकर कभी - कभी ज्यादा सोचने लगते हैं। साथ इसको लेकर बहुत चिंता करने लग जाते हैं। और उनकी सेहत के प्रति चिंतित होना दिल की बीमारियों को दावत देता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा मानना है डॉक्टरों और वैज्ञानिकों का।

दरअसल, कई वैज्ञानिक शोधों में यह साबित हो चुका है कि तनाव और सेहत के बारे में बहुत अधिक चिंता करना दिल की बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। चूंकि कुछ लोग अपनी सेहत के बारे में लगातार चिंता करते रहते हैं। ये सोचते रहते हैं कि कहीं उन्हें बीमारी तो नहीं। विज्ञान की भाषा में इसे रोगभ्रम या हाइपोकॉन्ड्रिया कहा जाता है। नार्वे में हुए एक ताजा शोध में इसको लेकर सात हजार लोगों से उनकी जीवनशैली, शिक्षा और सेहत को लेकर सवाल पूछे गए। इस दौरान शोधकताओं की रोगभ्रम को दूर करने के लिए सभी लोगों का हेल्थ डाटा निकाला गया। इस दौरान शोधकताओं को उम्मीद थी कि जो लोग सेहत के बारे में फिक्रमंद होते हैं, उन्हें कम खतरा होता होगा। लेकिन जो परिणाम आए वो बेहद हैरान करने वाले रहे।

शोध के मुख्य शोधकर्ता डॉक्टर लाइन इडेन बेर्ग के मुताबिक, जिन्हें सेहत की चिंता थी, उनमें खून की सप्लाई संबंधी दिल की बीमारी होने का खतरा 70 फीसदी ज्यादा था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अभिनेत्री रिचा चड्ढा ने माफी मांगी

अपने ट्वीट में वस्तुतः गल्वान घाटी में 2020 में हुए संघर्ष का जिक्र कर विवाद खड़ा करने वाली अभिनेत्री रिचा चड्ढा ने बृहस्पतिवार को माफी मांगी। रिचा अपना ट्वीट हटा चुकी हैं जिसमें उन्होंने सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी के बयान पर जवाब दिया था। सैन्य अधिकारी ने अपने बयान में कहा था कि भारतीय सेना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर पुनः नियंत्रण के लिए सरकार के आदेश का इंतजार कर रही है। इस पर प्रतिक्रिया में रिचा ने लिखा, गल्वान हाय (नमस्ते) कह रहा है। इसके बाद अनेक लोगों ने ट्विटर पर अभिनेत्री को आड़े हाथ लिया और उन पर भारतीय सैनिकों की शहादत का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया। विभिन्न मुद्दों पर बेलाग टिप्पणी करने वाली रिचा चड्ढा ने कहा कि वह भारतीय सेना की भावनाओं को आहत नहीं करना चाहती थीं। उन्होंने कहा, यह मेरी मंशा बिल्कुल नहीं थी, फिर भी जिन तीन शब्दों पर विवाद खड़ा किया जा रहा है, उनसे किसी को चोट पहुंची हो तो मैं खेद जताती हूं और यह भी कहती हूं कि यदि मेरे शब्दों से बिना इरादे के भी फौज में मेरे भाइयों के अंदर ऐसी कोई भावना आई हो तो मुझे दुख है। मेरे नानाजी भी सेना में थे।

इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स पर फोकस कर रहीं आलिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। आलिया की फैन फॉलोइंग का कोई जवाब नहीं है। देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी एक्ट्रेस के चाहने वाले मौजूद हैं। आलिया पिछले काफी वक्त से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में है। आलिया और रणबीर ने इसी महीने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। आलिया ने बॉलीवुड के बाद साउथ फिल्मों भी अपनी एक्टिंग का हुनर दिखाया है। एक्ट्रेस हाल ही में एस एस राजामौली की निर्देशन में बनी फिल्म आरआरआर से अपना साउथ डेब्यू किया था। बॉलीवुड और साउथ ही नहीं बल्कि आलिया जल्द ही फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' से अपना हॉलीवुड डेब्यू भी करने वाली है। हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि वो सिर्फ हॉलीवुड के अलावा भी इंटरनेशनल फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हैं। दरअसल, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आलिया भट्ट ने दूसरी भाषाओं की विदेशी फिल्मों में काम करने की इच्छा जाहिर की है। आलिया ने कहा, मैं केवल हॉलीवुड ही नहीं बल्कि इससे आगे भी बहुत कुछ एक्सप्लोर करना चाहती हूं। इस बातचीत के दौरान उन्होंने जापानी फिल्म इंडस्ट्री में काम करने को लेकर भी बात की। आलिया भट्ट ने हॉलीवुड फिल्मों में काम करने को लेकर कहा, यह सिर्फ किसी हॉलीवुड मूवी या किसी दूसरे कंटेंट को लेकर नहीं है, बल्कि मेरा विचार खुद को चैलेंज करते रहने का है। मैं ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं जो चैलेंजिंग हो। मुझे लगता है कि नई इंडस्ट्री में काम करने पर हमेशा ऐसा लगता है। कल को मैं जापानी फिल्म भी करूंगी, अगर मुझे पता होगा कि यह भाषा कैसे बोली जाती है।

इमोशनल हुई कृति सेनन

बॉलीवुड की 'परम सुंदरी' कृति सेनन ने अपनी एक से बढ़कर एक दिलकश अदाओं से लाखों करोड़ों लोगों के दिलों पर राज किया है। कृति सेनन ने अपने अब तक के फिल्मी करियर में कई तरह के रोल निभाकर लोगों का प्यार पाया और अब अपनी अपकमिंग फिल्म 'भेड़िया' में भी कृति सेनन एक चैलेजिंग रोल में नजर आने वाली है। वरुण धवन और कृति सेनन स्टारर 'भेड़िया' 25 नवंबर को रिलीज होने वाली है। रिलीज डेट में बस एक ही दिन बचा है और ऐसे में हर कोई इसकी रिलीज को लेकर एक्साइटेड है। बीते कई दिनों से वरुण और कृति अपनी फिल्म के प्रमोशन में बिजी है और अब हाल ही में कृति फिल्म प्रमोट करने अपने घर दिल्ली पहुंचीं जहां पहुंचकर वो थोड़ी सी इमोशनल भी हो गई। कृति सेनन अपनी फिल्म प्रमोट करने दिल्ली में अपने बचपन के स्कूल डीपीएस आरके पुरम पहुंची जहां एक्ट्रेस अपनी बचपन की यादों में खो गई। कृति ने अपने स्कूल के दिनों की यादें शेयर करते हुए एक फोटो शेयर की है और इसके साथ ही एक भावुक नोट लिखा है। इस तस्वीर में कैप्शन में लिखती है, स्कूल वापस! 15 साल बाद। अपनी फिल्म 'भेड़िया' का प्रचार करने के लिए अपने स्कूल में वापस आकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। इसके साथ ही कृति ने अपनी स्टोरी पर अपने स्कूल और शिक्षकों को इसका श्रेय दिया है।